भारत सरकार

भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय

भारी उद्योग विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 36

जिसका उत्तर सोमवार, 24 नवंबर, 2014 को दिया जाना है

भेल द्वारा विद्युत परियोजनाएं

36. डॉ. किरिट पी. सोलंकी:

क्या भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या भारत हैवी इलेक्ट्रीकल्स लिमिटेड (भेल) ने देश में और विशेषकर गुजरात में नई विद्युत परियोजनाएं और विद्यमान विद्युत संयंत्रों की विश्वसनीयता और अनुरक्षणता परियोजनाओं (आर एंड एम) को प्रारंभ किया है;

(ख) यदि हां, तो परियोजनाओं की स्थिति सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसे पूरा करने हेतु समय-सीमा क्या है;

(ग) क्या इन परियोजनाओं की सेवा संबंधी संविदाओं को पूरा करने में अत्यधिक विलंब हुआ है;

(घ) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ङ) सरकार ने भेल द्वारा प्रारंभ की गई परियोजनाओं को समय पर पूरा करना सुनिश्चित करने हेतु क्या कदम उठाए हैं?

उत्तर

भारी उद्योग और लोक उद्यम राज्य मंत्री

(श्री जी. एम. सिद्देश्वर)

(क): जी, हां। भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लि. (बीएचईएल) इस समय गुजरात सहित देश में नई विद्युत परियोजनाओं की स्थापना करने तथा पुराने विद्युत संयंत्रों के नवीकरण और आधुनिकीकरण (आर एंड एम) के लिए विभिन्न ग्राहक आर्डरों का कार्यान्वयन/ निष्पादन करने में व्यस्त है।

(ख): जहां तक नई थर्मल विद्युत परियोजनाओं का संबंध है, बीएचईएल वर्तमान में देश में ऐसी 107 इकाइयों के निष्पादन में व्यस्त है जिनमें से 5 इकाइयां गुजरात में हैं। इनकी स्थिति निम्नानुसार है:-

	संख्या	अभ्युक्ति
कार्यान्वयन की विभिन्न अवस्थाओं में इकाइयां	84	• 24 इकाइयां निर्धारित समय-सारणी के अनुसार प्रगति कर रही हैं। • 47 इकाइयों में ग्राहक/ परियोजना प्राधिकारी से संबद्ध मुद्दों के कारण विलंब हुआ है अर्थात् इन सभी मामलों में विलंब के कारणों के लिए बीएचईएल जिम्मेदार नहीं है। • 2 इकाइयों में बीएचईएल के कारण विलंब हुआ है। • 11 इकाइयों में विलंब के लिए बीएचईल अंशतः जिम्मेदार है।
विचाराधीन इकाइयां	23	• ग्राहक निधि बाधाओं और ईंधन की उपलब्धता, मंजूरी आदि जैसे अन्य मुद्दों के कारण, इन सभी मामलों में बीएचईएल जिम्मेदार नहीं है।

जहां तक आर एंड एम के अधीन थर्मल परियोजनाओं का संबंध है, बीएचईएल देश में ऐसी 10 इकाइयों के आर एंड एम में व्यस्त है जिनमें से कोई भी गुजरात में नहीं है। वर्तमान में, 3 इकाइयों के संबंध में कार्य भली-भाँति प्रगति पर है जबकि 07 इकाइयों में विलंब हो रहा है। थर्मल इकाइयों के आर एंड एम में सामान्यतः विभिन्न कारणों से विलंब होता है, जिनमें अन्य बातों के साथ-साथ आर एंड एम के लिए यूटिलिटी द्वारा उत्पादन इकाइयों को बंद करने की अनिच्छा, अंतिम रूप देने में विलंब और आर एंड एम के लिए कार्यक्षेत्र में पश्चातवर्ती परिवर्तन, विन्यास नक्शे में परिवर्तन,

ग्राहक अनुमोदनों में विलंब, कलपुर्जों की अनुपलब्धता (ग्राहक कार्यक्षेत्र), संविदात्मक मुद्दे, कार्यान्वयन के दौरान आकस्मिक घटनाएं आदि शामिल हैं। इस प्रकार, चूंकि आर एंड एम कार्य ग्राहक/यूटिलिटी, विभिन्न ठेकेदारों और बीएचईएल द्वारा संयुक्त रूप से किया जाता है, इसलिए विलंब सामान्यतः विभिन्न इंटरफेस/ मुद्दों में होता है और इसके लिए केवल बीएचईएल को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता।

जहां तक नई हाइड्रो परियोजनाओं का संबंध है, बीएचईएल देश में ऐसी 17 परियोजनाओं के कार्यान्वयन में व्यस्त है जिनमें से कोई भी गुजरात में नहीं है। इन परियोजनाओं की स्थिति निम्नानुसार है:-

	संख्या	अभ्युक्ति
कार्यान्वयन की विभिन्न अवस्थाओं में परियोजनाएं	16	• 3 परियोजनाएं निर्धारित समय-सारणी के अनुसार प्रगति कर रही हैं। • 13 परियोजनाएं में ग्राहक/परियोजना प्राधिकारी से संबद्ध मुद्दों के कारण विलंब हुआ है जिनमें से एक परियोजना स्थानीय मुद्दों के कारण प्रभावित हुई है अर्थात् इन सभी मामलों में विलंब के कारणों के लिए बीएचईएल जिम्मेदार नहीं है।
विचाराधीन परियोजनाएं	01	• ग्राहक निधि बाधाओं और अन्य मुद्दों के कारण जिनके लिए इन सभी मामलों में बीएचईएल जिम्मेदार नहीं है।

जहाँ तक आर एंड एम के अधीन हाइड्रो परियोजनाओं का संबंध है, बीएचईएल उत्तर प्रदेश में हाइड्रो परियोजना की 04 इकाइयों के आर एंड एम में व्यस्त है। इस परियोजना में ग्राहक से संबंधित मुद्दों के कारण तथा ग्राहक द्वारा ये इकाइयां बीएचईएल को सौंपने में हुई देरी के कारण विलंब हुआ है।

(ग) और (घ): जी, नहीं। इन परियोजनाओं की सेवा-संबंधी संविदाओं में अत्यधिक विलंब बीएचईएल के कारण नहीं हुआ है। विद्युत परियोजनाओं को पूरा करने में विलंब के लिए मुख्य कारणों में अन्य बातों के साथ-साथ, धीमे सिविल कार्य, संयंत्र उपकरणों/ प्रणालियों के संतुलन में विलंब, संविदात्मक मुद्दे, लॉजिस्टिक्स, अप्रत्याशित परिस्थितियां, कानून एवं व्यवस्था संबंधी समस्या आदि शामिल हैं। इसके अलावा, ग्राहक इनपुट्स जैसे कि अनुमोदन तथा अन्य इनपुट्स के कारण भी परियोजनाओं को समय-सीमा में पूरा करने में विलंब होता है।

(ङ): बीएचईएल द्वारा शुरू की गई परियोजनाओं को समय पर पूरा करना सुनिश्चित करने हेतु सरकार द्वारा कई कदम उठाए गए हैं। इनमें, अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित शामिल हैं:-

i). विकासकों, आपूर्तिकर्ताओं के साथ परस्पर बातचीत तथा मासिक प्रगति रिपोर्टों के माध्यम से विद्युत परियोजनाओं की सेन्ट्रल इलेक्ट्रिसिटी अथॉरिटी (सीईए) द्वारा निरंतर निगरानी। इसके अलावा, विभिन्न समस्याओं का समाधान करने के लिए सीईए द्वारा उपकरण आपूर्तिकर्ताओं, यूटिलिटीज/ केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों/ परियोजना विकासकों आदि के साथ नियमित समीक्षा बैठकें की जाती हैं।

ii). विद्युत परियोजनाओं की प्रगति पर निगरानी रखने के लिए विद्युत मंत्रालय द्वारा एक पावर प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग पैनल (पीपीएमपी) का गठन किया गया है।

iii). आर एंड एम परियोजनाओं के त्वरित कार्यान्वयन के लिए, सेन्ट्रल इलेक्ट्रिसिटी अथॉरिटी (सीईए), चल रहे आर एंड एम कार्यों को समय पर पूरा करने से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करने के लिए यूटिलिटीज तथा संबंधित एजेन्सियों के साथ नियमित आधार पर समीक्षा बैठकें आयोजित करती है तथा सीईए द्वारा संबंधित एजेन्सियों के साथ तद्नुसार अनुवर्ती कार्रवाई/ उपचारी उपाय, यदि कोई हों, किए जाते हैं।

iv). बाधाग्रस्त क्षेत्रों का पता लगाने और बकाया मुद्दों के शीघ्र समाधान के लिए विद्युत मंत्रालय तथा भारी उद्योग विभाग सहित विभिन्न स्तरों पर नियमित समीक्षाएं की जाती हैं।

******